6/3/09
सहारा

90 फीसदी लोग रहते हैं भूकम्प प्रभावित भवनों में

आईआईटी प्रेक्षागृह में चार दिवसीय शार्ट कोर्स

कानपुर, (एसएनबी)। कैलिफोर्निया बरकेली विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. अनिल कुमार चोपड़ा ने कहा कि विश्व की 90 फीसदी जनता अभी भी भूकम्प के तीव्रतम से मध्यम प्रभावी क्षेत्र में गैर इंजीनियरी ढ़ग से बनाये गये मकानों में निवास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे मकानों के गिरने से भूकम्प के समय अधिकतम जनहानि हुई है।

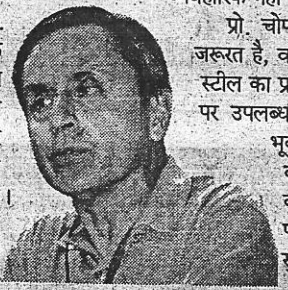

प्रो. चोपड़ा आईआईटी आउटरिच प्रेक्षागृह में आयोजित भवन निर्माण व भूकम्प विषयक चार द्विवसीय शार्ट कोर्स कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों में बढ़ती हुई जनसंख्या, गरीबी, आधुनिक निर्माण सामग्री तथा जरूरी कार्यकुशलता के कारण जनजीवन की हानि का जोखिम और भी बढ़ गया है।

प्रो. चोपड़ा नेकहा कि प्रचलित निर्माण शैली में एकदम से क्रांतिकारी परिवर्तन की संभावना न होने से आधुनिक निर्माण रीति का प्रयोग व्यवहारिक नहीं है।

प्रो. चोपड़ा ने कहा कि जहां ज्यादा जरूरत है, वहीं न्यूनतम मात्रा में सीमेन्ट व स्टील का प्रयोग किया जाए। अन्य स्थानों पर उपलब्ध स्थानीय सामग्री का प्रयोग भूकम्प जैसी स्थिति से तिपटने में कामयाब हो सकता है। उन्होंने कहा कि पारम्परिक निर्माण पद्धतियों में केवल ऐसे मामूली सुधारों की सलाह ली जाये, जिन्हें स्थानीय कारीगर आसानी से समझ और इस्तेमाल कर सके।

भारत में विदेशों के तर्ज पर भवन व बांध निर्माण करके भूकम्प के दौरान जनहानि की संभावना काफी कम की जा सकती है। उन्होंने शार्ट कोर्स में अन्य राज्यों से आये प्रतिभागियों नक्शा निर्माण की जटिलताओं से भी अवगत कराया। इसके पूर्व आईआईटी एनआईसीईई के विभागाध्यक्ष प्रो. ओंकार दीक्षित ने दोनों वक्ताओं तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया।